→ 1919 का रौलेट एक्ट

→ न्यायाधीश

→ क्रांतिकारी गतिविधियों को दबाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने, सिडनी रौलेट की अध्यक्षता में 1917 ई० में एक समिति का गठन किया।

⇒ इस समिति 1919 में रौलेट एक्ट पास किया।

⇒ इस एक्ट द्वारा अंग्रेजी सरकार किसी भी व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाये जेल में रख सकती थी।

⇒ इस एक्ट को बिना अपील, बिना वकील और बिना दलील का कानून कहा गया।

⇒ इस एक्ट को मुहम्मद इकबाल ने काले कानून की संज्ञा प्रदान की।

⇒ इस एक्ट के विरोध में गांधी जी ने देशव्यापी सत्याग्रह चलाने का निर्णय लिया।

→ इस एक्ट के विरोध स्वामी श्रद्धानंद ने लगान (Tax) न देने के लिए आन्दोलन चलाने का सुझाव दिया।

जलिया वाला बाग हत्याकांड

↳ 13 April 1919
↳ वैशाखी के दिन, जलिया वाला बाग, अम्रतसर (पंजाब)

→ पंजाब में रौलेट एक्ट का विरोध करने वाले दो स्थानीय कांग्रेसी नेता डा० सत्यपाल और सैफुद्दीन किचलू को गिरफ्तार कर लिया गया।
↳ 9 April 1919

⇒ 13 April 1919 को इस गिरफ्तारी का विरोध करने के लिए जलिया वाला बाग में एक सभा बुलाई गई।

⇒ भारत का वायसराय - चेम्सफोर्ड

⇒ बैठक के विरोध में "माइकल ओ डायर" ने गोली चलाने का आदेश दिया।

रौलेट एक्ट (1919)

★ 13 अप्रैल 1919 जलियाँवाला बाग हत्याकांड

13 April 1919 Jallianwala Bagh massacre

★ गांधीजी ने केसर–ए–हिन्द की उपाधि वापस कर दिया।

Gandhiji returned the title of Kesar-e-Hind.

★ 'सुब्रमण्यम अय्यर' ने अपनी 'सर' की उपाधि वापस कर दी।

'Subramaniam Iyer' returned his title of 'Sir'.

★ रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि वापस कर दी।

Rabindranath Tagore returned his knighthood title.

★ जमनालाल बजाज ने रायबहादुर की उपाधि वापस कर दी।

Jamnalal Bajaj returned the title of Raibahadur.

=) सी० शंकर नायर वायसराय की कार्यकारिणी परिषद् (executive council) से त्यागपत्र दे दिया।

=) इस हत्याकांड की जांच हेतु ब्रिटिश सरकार ने हण्टर कमीशन का गठन किया।

=) कांग्रेस ने इस हत्याकांड की जांच हेतु मदन मोहन मालवीय की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की।

अन्य सदस्य -) महात्मा गांधी जी, मोती लाल नेहरू जी, अब्बास तैयब जी, जयकर।

=) इस जांच समिति का प्रारूप (Draft) लिखने की जिम्मेदारी गांधी जी को दी।

=) इस हत्याकांड के जिम्मेदार माइकल ओ डायर की हत्या उधम सिंह जी ने कर दी।

असहयोग आन्दोलन–

★ पहला जन आंदोलन था The first mass movement was

★ 1 अगस्त 1920 से शुरू हुआ Started from 1 August 1920

स्थगित

1 Feb 1922

★ अंग्रेजी वस्तुओं का बहिष्कार हुआ।
there was a boycott of English goods.

★ स्कूल, कॉलेज, कोर्ट, मजदूर, हडताल
school, college, court, laborers, strike

★ चौरा–चौरी कांड – (गोरखपुर यूनाइटेड प्रोविंस) – 4 फरवरी 1922
Chaura-Chauri incident - (Gorakhpur United Provinces) - 4 February 1922

(U.P.) → संयुक्त प्रांत

असहयोग आन्दोलन

उद्देश्य - ① खिलाफत आन्दोलन का सम्मानजनक समाधान।

② जलिया वाला बाग के विरोध में न्याय की मांग

③ स्वराज की प्राप्ति

आन्दोलन का प्रस्ताव → 4 sept. 1920 को I.N.C के कलकत्ता अधिवेशन में पेश।

↳ अध्यक्ष → लाला लाजपत राय

प्रस्ताव का विरोध → सी० आर० दास व लाला लाजपत राय

→ असहयोग आंदोलन के प्रस्ताव की प्राप्ति (सहमति) → Dec. 1920, INC का नागपुर अधिवेशन

→ असहयोग आंदोलन के प्रस्ताव से असंतुष्ट होकर त्यागपत्र देने वाले नेता -

→ मो० अली जिन्ना
→ ऐनी बेसेंट
→ बिपिन चन्द्र पाल
→ जी० एस० खापर्डे

→ असहयोग आंदोलन का प्रारंभ - 1 Aug 1920 → इसी दिन बाल गंगाधर तिलक जी की मृत्यु हुई।

→ इनकी मृत्यु पर गांधी जी ने कि आज मेरा सबसे बड़ा बचाव चला गया।

→ इनकी अर्थी को गांधी जी के साथ मुस्लिम नेता शौकत अली ने कंधा दिया।

Note:→ बाल गंगाधर तिलक जी INC के ऐसे सदस्य थे जो कभी कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बने।

असहयोग आंदोलन। → लक्ष्य - 1 वर्ष में स्वराज की प्राप्ति।

→ वकालत त्याग → सी० आर० दास, मोती लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, पं० जवाहर लाल नेहरू, विट्ठलभाई पटेल जैसे प्रतिष्ठित नेताओं ने अपनी वकालत त्याग दी।

→ राष्ट्रीय विद्यालयों की स्थापना

(1) काशी विद्यापीठ (5) महाराष्ट्र विद्यापीठ
(2) गुजरात ,, (6) जामिया मिलिया विश्वविद्यालय
(3) बिहार ,,

→ बहिष्कार में सर्वाधिक सफल कपड़ो का बहिष्कार रहा।

→ विदेशी वस्त्रों को जलाये जाने पर गांधी जी ने कहा कि ये इनके साथ सर्वोत्तम व्यवहार है।

→ रविन्द्र नाथ टैगोर ने नरसों को जलाये जाने पर इसे निष्ठुर बर्बादी बताया था।

→ 22 sept. 1921 के बाद गांधी जी पूरे जीवन लंगोटी (या धोती) में रहे।

→ 17 sept. 1921 को प्रिंस ऑफ वेल्स के भारत आगमन पर सम्पूर्ण भारत में हड़ताल का आयोजन किया गया। जो अखिल भारतीय स्तर की दूसरी हड़ताल थी।

→ इस आंदोलन के दौरान भारत का वायसराय - चेम्सफोर्ड

चौरी - चौरा कांड